Syllabus and Course Scheme

Academic year 2018-19

M.A. – Sanskrit

Exam.-2019

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India

Website: uok.ac.in

M.A. SANSKRIT

SCHEME OF EXAMINATION

Each Theory Paper	3 hrs. duration	100 Marks
Dissertation/Thesis/Survey Report/Field work, if any		100 Marks

1. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

2. A candidate for a pass at each of the Previous and the final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical (s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper work, at the examination and also in the dissertation/ report/field work. Wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination not with standing his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below :
First Division 60% of the aggregate marks taken together
Second Division 48% of the Previous and final Examination.
All the rest will be declared to have we passed the examinations.

3. If a candidate clears any Paper (s) Practical(s)/Dissertation prescribed at the Previous and/or final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical shall be taken in to account in respect of such Paper(s)/ Practical(s) Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to reach the minimum aggregate as many mark out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate..

4. The Thesis/Dissertation/Survey Report/Field Work shall be typed and written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Rsigistrar atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations Only such candidates shall be permitted to offer Desiccation/Field Work/ Survey Report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeard at the examination.

5. A candidate failing at M.A. Previous examination may be provisionally admitted to the M.A. Final Class, provided that he passes in atleast 50% papers as per Provisions of 0.235 (i)

6. A candidate may be allowed grace marks in only one theory papers up to the extent of 1% of the total marks prescribed for that examination.
N.B. (i) Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O.170-A.

पाठ्यक्रम प्रारूप – एम.ए. संस्कृत
पूवार्द्ध परीक्षा – 2019

प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – ललित साहित्य तथा साहित्य शास्त्र
तृतीय प्रश्न–पत्र – भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान, व्याकरण तथा भारतीय कला का इतिहास

उत्तरार्द्ध परीक्षा
वर्ग (अ) साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र – संस्कृत काव्य शास्त्र
द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक एवं नाट्यशास्त्र
तृतीय प्रश्न पत्र – गद्य पद्य एवं चम्पू अथवा भास अथवा कालिदास

अथवा

वर्ग (ब) वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र – संहिता पाठ
द्वितीय प्रश्न पत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय प्रश्न पत्र – वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

अथवा

वर्ग (स) दर्शन शास्त्र

प्रथम प्रश्न पत्र – न्याय एवं वैशेषिक दर्शन
द्वितीय प्रश्न पत्र – सांख्य, आगम एवं व्याकरण दर्शन
तृतीय प्रश्न पत्र – वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन

अथवा

वर्ग (द) इतिहास एवं पुराण

प्रथम प्रश्न पत्र – इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र – इतिहास काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र – पुराण साहित्य

अथवा

वर्ग (इ) व्याकरण शास्त्र

प्रथम प्रश्न पत्र – वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी
द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रक्रिया महाभाष्य
तृतीय प्रश्न पत्र – व्याकरण दर्शन

सभी वर्गो के लिए अनिवार्य –

चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद
पंचम प्रश्न पत्र – शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख,

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य

अथवा

लघुशोध प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

एम.ए. संस्कृत (पूर्वार्द्ध) – 2019

प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 12वां प्रश्न अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

प्रथम इकाई – ऋग्वेद

1.**प्रथम इकाई** – ऋग्वेद

ऋग्वेद – अग्नि (1.12), मरूत् (1.85), रूद्र (2.33) उषस् (4.51) वरुण (7.86) कितव (10.34) वाक् (10.125), प्रजापति (10.121), नासदीय (10.129) विश्वामित्र–नदी संवाद (3.33)

2.**द्वितीय इकाई –** अथर्ववेद–राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29) काल सूक्त (19.53) अथर्ववेद के दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र का पद–पाठ एवं किसी एक सूक्त का सार अथवा देवता का स्वरूप संस्कृत में।

3.**तृतीय इकाई –** कठोपनिषद्

4. **चतुर्थ इकाई –** निरूक्त – यास्क (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

5.**पंचम इकाई –** वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

नोट :– प्रश्न पत्र बनाते समय प्रत्येक मंत्र का स्वरांकन किया जावे।

विशेष निर्देश

खण्ड –'ब'

मन्त्रों का पद पाठ, सूक्त का सार, देवता का स्वरूप और कठोपनिषद् के मन्त्र की व्याख्या (संस्कृत माध्यम से), निरूक्त से शब्द–निर्वचन एवं वेदांगों के सामान्य परिचय से सम्बद्ध प्रश्न ही पूछे जायेंगे – प्रथम इकाई में से ऋग्वेद के दो मंत्रो में से किसी एक मंत्र का पदपाठ अथवा किसी एक देवता का स्वरूप लिखना होगा, द्वितीय इकाई में अथर्ववेद के दो मंत्रो में से किसी एक मंत्र की व्याख्या करनी होगी, तृतीय इकाई में से कठोपनिषद् के दो मंत्रो में से किसी एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी, चतुर्थ इकाई निरूक्त के दो गद्यांषों में से किसी एक गद्यांष की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी, पंचम इकाई में वेदांगो का सामान्य परिचय से सम्बद्ध एक प्रष्न अथवा दो टिप्पणी पुछी जायेगी।

खण्ड–'स'

प्रश्न संख्या –12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। इसका अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा–

1. इकाई प्रथम में 4 मन्त्रों में से 2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या। (अंक–5+5)

2. इकाई द्वितीय में 2 मन्त्रों में से 1 मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या। (अंक 5)

3. इकाई चतुर्थ में 4 शब्दों में से 2 शब्दों का निर्वचन। (अंक 2½+2½)

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

सहायक पुस्तकें

1. ऋक् सूक्त– संग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
2. ऋग्भाष्य – संग्रह – डॉ. देवराज चानना, दिल्ली
3. वैदिक वाड्.मय एक परिशीलन– ब्रजबिहारी चौबे
4. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
5. वैदिक स्वर मीमांसा – पं. युधिष्ठिर मीमांसक

6.	वैदिक स्वर बोध	–	ब्रज बिहारी चौबे
7.	कठोपनिष्द्	–	गीताप्रेस गोरखपुर
8.	निरूक्त	–	आचार्य विश्वेश्वर
9.	वैदिक साहित्य और संस्कृति	–	बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – ललित साहित्य तथा साहित्यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोट :– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से होगा एवं 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

1. **प्रथम इकाई** – मेघदूत (कालिदास)
2. **द्वितीय इकाई** – मुद्राराक्षसम् (विशाखदत्त)
3. **तृतीय इकाई** – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) प्रथम व द्वितीय परिच्छेद –(सम्पूर्ण)
4. **चतुर्थ इकाई** – साहित्य दर्पण तृतीय परिच्छेद 1–28 कारिका
5. **पंचम इकाई** – हर्षचरितम् (बाणभट्ट)– प्रथम उच्छ्वास

विशेष निर्देश–

खण्ड– 'ब'

मेघदूत से 2 सूक्तियों की व्याख्या संस्कृत माध्यम से करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। (प्र.सं. 2 एवं 3 में)। तृतीय एवं चतुर्थ इकाई से प्र. सं. 6,7,8,9 में कारिकांश की व्याख्या अथवा प्रश्न पूछे जायेगें। चतुर्थ इकाई के एक करिकांष की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी। शेष इकाईयों से सामान्य प्रश्न पूछे जायेंगे।

खण्ड–'स'

प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–

1. द्वितीय इकाई से मुद्राराक्षस से हिन्दी व्याख्या (10 अंक)
2. 2. पंचम इकाई से हर्षचरितम् से हिन्दी अनुवाद (10 अंक)। शेष तीन प्रश्नों 13,14,15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तकें :

1.	संस्कृत के सन्देश काव्य	–	डॉ. राजकुमार आचार्य
2.	मेघदूत – एक पुरानी कहानी	–	डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.	मेघदूत : एक अध्ययन	–	डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
4.	मेघदूत	–	डॉ. यषवन्त कुमार जोषी
5.	हर्षचरित : एक अध्ययन	–	डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
6.	प्राचीन साहित्य	–	कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ टैगोर
7.	हर्षचरित	–	पी.वी. काणे
8.	हर्षचरित	–	एम.आर काणे
9.	साहित्य दर्पण	–	आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमल टीका)
10.	मुद्राराक्षसम्	–	व्या. तारिणीश झा
11.	मुद्राराक्षसम्	–	डॉ. यषवन्त कुमार जोषी

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

1. **प्रथम इकाई –** तर्क भाषा –(प्रामाण्यवाद पर्यन्त) केशवमिश्र कृत
2. **द्वितीय इकाई –** सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण कृत
3. **तृतीय इकाई –** वेदान्तसार – सदानन्द कृत
4. **चतुर्थ इकाई –** चार्वाक दर्शन – सर्वदर्शन संग्रह से
5. **पंचम इकाई –** योगसूत्र – (पतंजलि) समाधिपाद एवं साधनपाद

विशेष निर्देश

खण्ड –'ब'

इकाई द्वितीय–सांख्यकारिका से सम्बद्ध कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।
चतुर्थ इकाई में चार्वाक दर्शन से सम्बद्ध प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना होगा। शेष इकाईयों से सम्बद्ध सामान्य प्रश्न पूछे जाऐगे।

खण्ड – 'स'

प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। इसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
तर्क भाषा से गद्यांश की व्याख्या – 10 अंक
वेदान्तसार से गद्यांश की व्याख्या – 10 अंक
शेष तीन प्रश्नों में से 13,14,15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन – दत्ता एंव चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)
3. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका – डॉ. विमला कर्नाटकर
5. सांख्यतत्व कौमुदी – रामशंकर भट्टाचार्य
6. तर्क भाषा – आचार्य विश्वेश्वर,
7. तर्क भाषा – पं. बद्रीनाथशुक्ल।
8. तर्क भाषा – डॉ. श्री निवास शास्त्री
9. तर्क भाषा – मूसलगॉवकर
10. वेदान्तसार – डॉ. सन्तनारायण श्रीवास्तव
11. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य – अभ्यांकर कृत (टीका सहित, पूना)
12. पतंजलि योग सूत्र– चौखम्बा संस्कृत प्रकाषन

चतुर्थ प्रश्न पत्र–
भाषा–विज्ञान,व्याकरण तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

1. **प्रथम इकाई** – भाषा विज्ञान
   (अ) भाषा की उत्पत्ति तथा विकास
   (ब) ध्वनि–विज्ञान, उच्चारण–अवयव,ध्वनि–परिवर्तन के कारण,प्रसिद्ध ध्वनि–नियम
2. **द्वितीय इकाई**
   अर्थ विज्ञान – अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
   भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण भारोपीय –परिवार की विशेषताएँ केण्टुम–शतम् वर्ग, भारतीय भाषाओं का अध्ययन, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।
3. **तृतीय इकाई** –प्रक्रिया भाग–लघु सिद्धान्त कौमुदी (णिजन्त से लकारार्थ तक)
4. **चतुर्थ इकाई**–सिद्धांत कौमुदी–कारक प्रकरण
5. **पंचम इकाई** – शास्त्रीय साहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, अलंकारषास्त्र तथा व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

नोट :– खण्ड ब में भाषा विज्ञान में से प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे।

सहायक ग्रन्थ :

1.	भारत की सांस्कृतिक–साधना	–	डॉ. रामजी उपाध्याय
2.	भाषा–विज्ञान	–	भोलानाथ तिवारी
3.	संस्कृत–भाषा–विज्ञान	–	डॉ. राजकिशोर सिंह
4.	भाषा का इतिहास	–	श्री भगवद्दत्त
5.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	–	बलदेव उपाध्याय
6.	एम.ए. संस्कृत–व्याकरण	–	डॉ. श्री निवास शास्त्री
7.	संस्कृत –व्याकरण	–	डॉ. बाबूराम त्रिपाठी,
8.	कारक दीपिका	–	श्री मोहन वल्लभ पन्त,
9.	प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी	–	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
10.	व्याकरण शास्त्र का इतिहास	–	युधिष्ठिर मीमांसक
11.	आयुर्वेद का वृहद् इतिहास	–	अत्रिदेव विद्यालंकार
12.	आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास	–	प्रियव्रत शर्मा
13.	आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास	–	भगवत राम गुप्त कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
14.	भारतीय ज्योतिष	–	डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
15.	भारतीय ज्योतिष	–	शंकर बालकृष्ण दीक्षित हिन्दी अनुवाद शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र.
16.	ज्योतिष विज्ञान निर्झरी	–	प्रका. राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
17.	सुगम ज्योतिष प्रवेशिका	–	गोपेश कुमार ओझा
18.	भारतीय वास्तु (वर्तमान संदर्भ में सम्पूर्ण परीशीलन)	–	ले.प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
19.	वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी	–	सीताराम शर्मा, राज ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान जयपुर
20.	वास्तु रत्नाकर	–	प्र. गीताप्रेस गोरखपुर
21.	भवन भास्कर	–	प्र. गीताप्रेस गोरखपुर

एम.ए. उत्तरार्द्ध – 2020

वर्ग (अ) साहित्य
प्रथम प्रश्नपत्र – संस्कृत काव्य शास्त्र

समय 3 घंटे पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1 काव्यप्रकाश (मम्मट)– प्रथम एवं द्वितीय उल्लास
इकाई 2 काव्यप्रकाश (मम्मट)– तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम उल्लास
इकाई 3 काव्यप्रकाश (मम्मट)– षष्ठ, सप्तम (केवल रस दोष व रस दोष परिहार) तथा अष्टम उल्लास
इकाई 4 ध्वन्यालोक (आनन्दवर्धनाचार्य)– प्रथम उद्योत
इकाई 5 वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक)– प्रथम उन्मेष

विशेष निर्देश :–

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रथम इकाई काव्य प्रकाश (प्रथम व द्वितीय उल्लास) एवं चतुर्थ इकाई –ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) की कारिकाओं की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड स – प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार होगा।

द्वितीय इकाई – काव्य प्रकाश, 2 कारिकाओं में से एक की व्याख्या 7 अंक
तृतीय इकाई – 2 कारिकाओं में से एक की व्याख्या 7 अंक
पंचम इकाई – 2 कारिकाओं में से एक की व्याख्या 6 अंक

सहायक ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) – वामनझलकीकर
3. काव्यप्रकाश – व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
4. ध्वन्यालोक (लोचन व बालप्रिया टीका सहित)– सम्पादक पं. पट्टाभिराम शास्त्री
5. ध्वन्यालोक (हिन्दी व्याख्या) – आचार्य विश्वेश्वर
6. ध्वन्यालोक (संस्कृत, हिन्दी अनुवाद व व्याख्या) – रामसागर त्रिपाठी
7. आनन्दवर्धन – डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी
8. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – डॉ पी.वी. काणे
9. संस्कृत पोइटिक्स – डॉ. एस. के. डे (संस्कृत काव्यषास्त्र का इतिहास)
10. भारतीय साहित्यशास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. जी.टी. देश पाण्डे
12. रसालोचनम् – डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
13. रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रो. सुरजनदास स्वामी
14. रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र
15. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) – श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय (सुधा संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्)
16. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूप रेखा – डॉ भोलाशंकर व्यास

द्वितीय प्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्य शास्त्र

समय 3 घंटे पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

पाठृयक्रम व इकाई योजना

इकाई 1 उत्तररामचरितम् (भवभूति)
इकाई 2 मृच्छकटिकम् (शूद्रक)
इकाई 3 दशरूपकम् (धनंजय) – प्रथम व द्वितीय प्रकाश
इकाई 4 दशरूपकम् (धनंजय)– तृतीय व चतुर्थ प्रकाश
इकाई 5 नाट्यशास्त्र (भरत मुनि)– प्रथम व द्वितीय अध्याय

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत उत्तररामचरितम् एवं मृच्छकटिकम् में से श्लोको की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड स – प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

उत्तररामचरितम् के 2 श्लोकों में से 1 श्लोक की व्याख्या	7 अंक
मृच्छकटिकम् के 2 श्लोकों में से 1 श्लोक की व्याख्या	7 अंक
दशरूपकम् की कारिका की व्याख्या	6 अंक

सहायक ग्रन्थ

1. उत्तररामचरितम् (हिन्दी व्याख्या) – रामनारायण बेनीमाधव
2. उत्तररामचरितम् – व्या. रमाकान्त त्रिपाठी
3. उत्तररामचरितम् (सटीक) महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
4. उत्तररामचरितम् – डॉ. यषवन्त कुमार जोषी
5. भवभूति और उनकी नाट्यकला – सुरेन्द्र दीक्षित
6. भवभूति और उनकी नाट्यकला – डॉ. आयोध्याप्रसाद सिंह
7. महाकवि भवभूति – गंगासागर राय
8. भवभूति – वी.वी. मीराशी
9. भवभूति – आर.डी. करमारकर
10. हिन्दी नाट्यशास्त्र – आचार्य विश्वेश्वर
11. भरत नाट्यशास्त्र – मनमोहन घोष (अंग्रेजी अनुवाद)
12. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ ब्रजमोहन चतुर्वेदी
13. भरत नाट्य शास्त्र – डॉ पारसनाथ द्विवेदी
14. दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
15. दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ रामजी उपाध्याय
16. दशरूपक – संपादक रमाशंकर त्रिपाठी
17. नाटयशास्त्रम् (प्रथम द्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
18. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
19. संस्कृत नाटयकोश – रामसागर त्रिपाठी
20. भारतीय नाटय परम्परा और अभिनयदर्पण – वाचस्पति गैरोला
21. नाटय शास्त्रीय पारिभाषिक शब्दानुक्रमणिका – राम जी उपाध्याय
22. नाटयशास्त्रीयानुसन्धानम् – रामजी उपाध्याय
23. Law and Practic of Sanskrit Drama by S.N. Shastri
24. The classical Drama of India - Henery W. Wells
25. Sanskrit theory of Drama and Dramatury ---- T.G. Mainkar
26. Sanksrit Drama - A.B. Keith
27. Indian theater - C.B. Gupt
28. Types of Sanskrti Drama - Mankada

तृतीय प्रश्न पत्र–वर्ग (अ)–साहित्य
(1)काव्य गद्य, पद्य एवं चम्पू

समय 3 घंटे पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा–

पाट्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1 कादम्बरी (बाणभट्ट)– महाश्वेता वृत्तांत

इकाई 2 नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)– प्रथम सर्ग
इकाई 3 शिशुपालवधम् (माघ)– प्रथम सर्ग
इकाई 4 शिवराजविजयम्, प्रथम व द्वितीय निष्वास
इकाई 5 नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट)– प्रथम उच्छ्वास

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत नैषधीय चरितम् (प्रथम सर्ग) एवं शिशुपालवधम (प्रथम सर्ग) में से श्लोकों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
शेष समस्त इकाईयों में से सूक्ति–व्याख्या, चरित्र–चित्रण और काव्यगत वैशिष्ट्य से प्रश्न पूछे जायेंगे।
खण्ड–'स' में प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार होगा।
1.**इकाई प्रथम** से 2 गद्यांशों में से एक गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या। अंक 8
2.**इकाई चतुर्थ** में से 2 श्लोंकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या। अंक 6
3.**इकाई पंचम** में से 2 श्लोंकों में से एक श्लोक की संप्रसग व्याख्या। अंक 6

<u>सहायक ग्रन्थ</u>

1. कादम्बरी – डॉ कृष्णावतार वाजपेयी
2. कादम्बरी – साहित्य भण्डार मेरठ
3. कादम्बरी – डॉ. यषवन्त कुमार जोषी
4. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन – वासुदेवशरण अग्रवाल
5. बाण और दण्डी – एक अध्ययन – डॉ. सुधीर कुमार गुप्त
6. बाण – आर. डी. कर्मारकर
7. बाणभट्ट – ए लिटरेरी स्टडी – डॉ नीता शर्मा
8. नैषधीय चरितम् – निर्णय सागर मुम्बई
9. नैषधीयचरितम् (मल्लिनाथ कृत जीवातु व्याख्या युक्त)चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
10. नैषधपरिशीलन – पं. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
11. बृहत्त्रयी – सुषमा कुलश्रेष्ठ
12. शिशुपालवधम् (मल्लिनाथकृत सर्वाड्कषा व्याख्या)मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
13. शिशुपालवधम् – (बालबोधिनी व्याख्या सहित) व्या. श्रीराम जी लाल शर्मा
14. नलचम्पू त्रिविकमभट्टकृत – धारादत्तशास्त्री प्र.मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली
15. चम्पू काव्यों का अध्ययन – छविनाथ मिश्र
16. षिवराजविजयम् – अम्बिकादत्त व्यास

अथवा
(2) भास

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–
इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।
इकाई 1 पंचरात्र एवं मध्यम व्यायोग
इकाई 2 बालचरितम् एवं अभिषेक नाटकम्
इकाई 3 प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्
इकाई 4 प्रतिमानाटकम्
इकाई 5 चारूदत्तम् एवं अविमारकम्

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रतिज्ञा यौगन्धरायणम् एवं प्रतिमानाटकम में से श्लोकों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड–'स'

प्र. सं. 12
अंक विभाजन – प्रथम, द्वितीय एवं पंचम इकाई से दो–दो पद्यों में से एक एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 7+7+6 अंक) शेष प्रश्नों में सभी इकाईयों से सामान्य प्रश्न।

अथवा
(3) कालिदास

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–
इकाई 1 विक्रमोर्वशीयम्
इकाई 2 रघुवंशम् (प्रथम एवं पंचम सर्ग)
इकाई 3 रघुवंशम् (दशम से एकोनविंश सर्ग)

इकाई 4 कुमारसंभवम् (प्रथम एवं चतुर्थ सर्ग)
इकाई 5 ऋतुसंहार (ग्रीष्म, वर्षा एवं वसंतऋतु वर्णन)

विशेष निर्देश

खण्ड ब के अंतर्गत रघुवंशम् की दोनो इकाईयों में से श्लोको की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
खण्ड स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार से होगा –
प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम इकाई से दो–दो पद्यों में से एक–एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 7+7+6)। शेष प्रश्नों में सभी इकाईयों में से सामान्य प्रश्न।

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – संहिता पाठ

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम

इकाई 1. ऋग्वेद – सप्तम् मण्डल, सूक्त 1 से 10 तक
इकाई 2. अथर्ववेद – अधोलिखित सूक्त मात्र निर्धारित हैं–काण्ड सूक्त

1.	5,6,14
2.	28, 33
3.	12,16,17,30
4.	30
8.	9
9	9 (1 से 14 मंत्र, अस्य, वामस्य)
11.	4 (प्राण) 5 (ब्रह्मचारी)
19.	52, 53

इकाई 3. वाजसनेयी संहिता – अध्याय 1,32 एवं 36
इकाई 4. शुक्ल यजुर्वेद
माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद 31–1–22, 31–1–16, 34–1–6
सायण कृतः ऋग्वेदभाष्य भूमिका से ऋग्भाष्य भूमिका
इकाई 5. पाठ्यक्रम के निर्धारित सूक्तो की विषयवस्तु सम्बंधी समालोचनात्मक प्रश्न।
टिप्पणी : परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वेद के मंत्रों के विभिन्न भाष्य जिनमें सायण, कपालीशास्त्री, दयानन्द, तथा उव्वट के नाम विशेषतः उल्लेखनीय है, पढ़ेगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होगे।
विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम एवं इकाई द्वितीय के मन्त्रों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक ग्रन्थ

1. वैदिक व्याकरण – डॉ रामगोपाल (दो भाग)
2. श्रीराम गोविन्द त्रिवेदी – वैदिक साहित्य,
3. मॅक्डोनेल – ए वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेन्ट्स (हिन्दी अनुवाद डॉ.सत्यव्रत)
4. युधिष्ठर मीमांसक – वैदिक स्वर मीमांसा
5. दयानन्द – ऋग्वेद भाष्य भूमिका
6. गोविन्दलाल बंशीलाल व रूग्रमिश्र शास्त्री – वैदिक व्याकरण भास्कर
7. डॉ. मंगलदेव शास्त्री – भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 620/21,
8. टी. कपाली शास्त्री – ऋग्भाष्य भूमिका

टिप्पणी : संस्तुत पुस्तकों से पाठ्यक्रम से सम्बद्ध अंश ही पढ़ने अपेक्षित हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय 3 घण्टे **100 अंक**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

पाट्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. ऐतरेय ब्राह्मण प्रथम पंजिका – प्रथम दो अध्याय **इकाई 2.** शतपथ ब्राह्मण – माध्यन्दिन काव्य 1 अध्याय 1
इकाई 3. यास्क निरूक्त – 2, 7 एवं 10 अध्याय मात्र **इकाई 4.** ऋग्प्रातिशाख्य 1,2 और 3 मात्र
इकाई 5. छान्दोग्योपनिषद् – अध्याय प्रथम कात्यायन श्रौतसूत्र – अध्याय प्रथम 1 – 2 कण्डिकायें
विषेष निर्देषः– खण्ड ब की इकाई तृतीय एवं पंचम में व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से की जायेगी।

सहायक पुस्तकें

1. डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा – एटिमालोजी ऑफ यास्क (अध्याय 1 से 2)
2. कीथ – रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 26 से 28 तक)
3. ऋग्वेद प्रातिशाख्य – डॉ वीरेन्द्र कुमार वर्मा
4. निरूक्त मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिक बुक हाउस, सी– के 31/10 नेपाली, खपड़ा पोस्ट बॉक्स 98, वाराणसी।
5. Dr. Fateh Singh & The Vedic Etymology

तृतीय प्रश्न पत्र– वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई तृतीय एवं चतुर्थ से संबंधित व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
इकाई 1. ऋग्वेद के दशम मण्डल का सामान्य अध्ययन
इकाई 2. वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन
इकाई 3. बृहद्देवता – प्रथम व द्वितीय अध्याय के 25 सर्ग
इकाई 4. वैदिक व्याकरण – वैदिक स्वराङ्कन, प्रमुख वैदिक छंद
इकाई 5 वैदिक संस्कृति

सहायक पुस्तकें

1. देशमुख – ओरिजन एण्ड डवलप्मेण्ट् ऑफ रिलीजन इन वैदिक लिटरेचर

2. कीथ–रिलीजन एण्ड फिलॉस्फी ऑफ् वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 1 से 15)
3. मेक्डॉनल– वैदिक मइथोलोजी
4. गंगाप्रसाद – फाउण्टेन हैड ऑफ् रिलीजन
5. वेदांगप्रकाश – (सोवर प्रकरण) वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
6. दयानन्द –सत्यार्थ प्रकाश (उल्लास 11 से 14 तक)वैदिक पुस्तकालय,अजमेर
7. मैक्समूलर – पुराणशास्त्र एवं जनकथाएँ इतिहास प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, आदर्श हिन्दी पुस्तकालय 4/9, अहिल्यापुर, इलाहाबाद।
8. मैक्समूलर – दी साइंस ऑफ लैग्यूवेज

वर्ग (स) दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्न पत्र–न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

खण्ड अ

नोटः– नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1 न्यायसूत्र (वात्स्यायन) भाष्य सहित) प्रथम अध्याय
इकाई 2 प्रशस्तपादभाष्य (प्रारम्भ से बुद्धि निरूपण तक)
इकाई 3 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)
इकाई 4 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (अनुमान खण्ड)
इकाई 5 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (शब्द खण्ड)

विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम एवं इकाई तृतीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से करनी होगी।

सहायक पुस्तकें

1. शास्त्री धर्मेन्द्रनाथ – (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), मोतीलाल बनारसी दास।
2. शास्त्री दयाशंकर – (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड) सुरभारती प्रकाशन बालाजी मार्केट, कानपुर।
3. झा, दुर्गाधर – (अनु.) प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित), सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि.वि. वाराणसी।
4. मिश्र, श्रीनारायण :वैशेषिक दर्शन – एक अध्ययन
5. ठक्कुर, अनन्तलाल – (स.) न्यायदर्शनम् ;प्रथमाध्यायत्मक प्रथम भाग, मिथिला, विद्यापीठ दरभंगा, बिहार
6. मिश्र, सच्चिदानन्द – (व्या.) न्यायदर्शनम् भारतीय विद्या प्रकशन, दिल्ली
7. शास्त्री, श्रीनिवास –(व्या.) प्रशस्तापदभाष्य, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ–2

द्वितीय प्रश्न पत्र – सांख्य, योग, मीमांसा दर्शन

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. सांख्यकारिका (सांख्यतत्वकौमुदी सहित) 1–30 कारिका
इकाई 2 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) विभूतिपाद
इकाई 3 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) साधनापाद
इकाई 4 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) कैवल्यपाद
इकाई 5 जैमिनीसूत्र शाबरभाष्य (तर्कपाद)
विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
सहायक पुस्तकें

1. सांख्यतत्वकौमुदी – (व्या) डॉ आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यातत्वकौमुदी – (व्या) डॉ रामशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्वकौमुदी – (व्या) गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
4. योग सूत्र – चौखम्बा संस्कृत प्रकाषन

तृतीय प्रश्न पत्र–वेदांत, मीमांसा एवं दर्शनशास्त्र का इतिहास (भारतीय एवं पाश्चात्य)

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. ब्रह्मसूत्र–चतुस्सूत्री (शांकर भाष्य सहित) – (प्रथम अध्याय प्रथम वाद)
इकाई 2 माण्डूक्यकारिका
इकाई 3 अर्थ संग्रह – (मंत्र, नामघेय, निषेध, भावना, अर्थवाद)
इकाई 4 दर्शनशास्त्र का विकास– (भारतीय एवं पाश्चात्य)
अवधेयम् – दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है –
1. षड्दर्शन का विकास, 2 सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तु द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र,
3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद 4. बर्कलेकृत जड़वाद की आलोचना, 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद, 6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत तथा 7. काण्ट का नीतिशास्त्र
इकाई 5 भारतीय दर्शन के निम्नांकित विषयों का सामान्य अध्ययन जीवन में दर्शन की उपयोगिता, आत्मा, मोक्ष, ईश्वर, शून्यवाद, सत्कार्यवाद, मायावाद, प्रतीत्यसमुत्पाद, सृष्टिप्रकिया, स्याद् वाद
विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई द्वितीय व तृतीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।
सहायक पुस्तके :–

1. ब्रह्मसूत्र – चतुस्सूत्री – (व्या.) विश्वेश्वर सिद्धांतशिरोमणि
2. ब्रह्मसूत्र – चतुस्सूत्री – (व्या.) कामेश्वरनाथ मिश्र

3. माण्डूक्योपनिषद् (माण्डूक्यकारिका सहित) – गीता प्रेस गोरखपुर
4. Mandukkya Karika - English translation and notes by R.D. Karmarkar. Bhandarkar oriental Research Institute. Poona
5. अर्थसंङ्ग्रह – (व्या.) डॉ. दयाशंकर शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ – 2
6. अर्थसंङ्ग्रह – (व्या.) डॉ. कामेश्वरनाथ मिश्र
7. Arthasamgraha : English translation and notes by A.B. Gajendra Gadkar & R.D. Karmarkar.Motilal Banarsidas, Delhi
8. भामती – एक अध्ययन – डॉ. ईश्वर सिंह
9. मीमांसा दर्शन – डॉ. मण्डन मिश्र, रमेश बुक डिपो, जयपुर
10. Vedanta Explained (Volume-I)- V.H. Datt, Bookseller, publishing Co., Road, Mumbai
11. अद्वैत वैदान्त में आभासवाद – डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, पटना वर्ग

वर्ग – द –इतिहास पुराण

प्रथम पश्न पत्र – इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. इतिहास व पुराण का स्वरूप, रामायण और महाभारत का रचना काल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य
इकाई 2 अष्टादश पुराणों का परिचय व पंचलक्षण
इकाई 3 इतिहास – पुराणों में आख्यान पुराकथा तथा ऐतिहासिक वृत्त
इकाई 4 पाठ्यग्रंथ – महाभारत नलोपाख्यान
इकाई 5 पाठ्यग्रंथ – कल्हणकृत राजतरंङ्गिणी (सप्तम तरंग)

विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

इतिहास पुराण–द्वितीय प्रश्न पत्र – इतिहास काव्य

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः–प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

इकाई 1. वाल्मीकि रामायण – सुन्दरकाण्ड प्रथम 15 सर्ग

इकाई 2 वाल्मीकि रामायण – सुन्दरकाण्ड प्रथम 16 – 30 सर्ग
इकाई 3 महाभारत आदिपर्व अध्याय 1 – 20
इकाई 4 महाभारत आदिपर्व अध्याय 21 – 40
इकाई 5 शांति पर्व–राजधर्म प्रकरण अध्याय 50 – 70
विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

इतिहास पुराण– तृतीय प्रश्न पत्र – पुराण साहित्य

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. श्रीमद्भागवत पंचम स्कन्ध अथवा दशम स्कंध उतरायण
इकाई 2 विष्णुपुराण प्रथम 10 अध्याय
इकाई 3 पद्मपुराण – स्वर्णखण्ड अथवा स्कंदपुराण – रेवाखण्ड
इकाई 4 मत्स्यपुराण – अध्याय 1 से 25 (कुरूवंश वर्णन तक)
इकाई 5 मत्स्यपुराण अध्याय 26 से 50 (कुरूवंश वर्णन तक)
विषेष निर्देषः– खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

वर्ग 'ई' व्याकरणशास्त्र –
प्रथम प्रश्न पत्र–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – (संज्ञा प्रकरण एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण)
इकाई 2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – (आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रकरण)

इकाई 3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – भ्वादिगण (पड्.क्त्यंश को छोड़कर)
इकाई 4. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –(अदादिगण, जुहोत्यादि, दिवादी एवं स्वादिगण) पड्.क्त्यंश को छोड़कर
इकाई 5 वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –(तुदादि, रूधादि, तनादि, क्रयादि एवं चुरादिगण) पड्.क्त्यंश को छोड़कर
विषेष निर्देषः– खण्ड ब में इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक पुस्तकें

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–बालमनोरमा–हिन्दी व्याख्या सहित –गोपालदत्त पाण्डेय
2. वैयाकरण सिद्वान्त कौमुदी – बालमनोरमा –तत्व बोधिनी टीकाद्वयोपेत
3. वैयाकरण सिद्वान्त कौमुदी – लक्ष्मीटीका–सम्पति शर्मा

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रक्रिया एवं दर्शन

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. सिद्धान्त कौमुदी (अव्ययी भावसमास प्रकरण एवं तत्पुरूष समास प्रकरण)
इकाई 2. सिद्धान्त कौमुदी (बहुव्रीहिसमास प्रकरण से अलुक्समास प्रकरणान्त)
इकाई 3. सिद्धान्त कौमुदी (आत्मने पद एवं परस्मैपद)
इकाई 4. व्याकरण दर्शन के प्रमुख आचार्य
इकाई 5. महाभाष्य (द्वितीय आह्निक) प्रत्याहाराह्निक – प्रदीपउद्योत सहित

विशेष : 1. पत्र संस्कृत में बनाया जाएगा।
2. खण्ड ब में आत्मनेपद एवं परस्पैपद प्रक्रिया के प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में पूछे जाएंगे

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्यम् – प्रदीप उद्योतटीका
2. महाभाष्यम् – युधिष्ठिर मीमांसक
3. महाभाष्यम् – प्रदीपउद्योत – छाया टीका सहित – पायगुण्डे

तृतीय प्रश्न पत्र – व्याकरण दर्शन

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।
कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

इकाई 1. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 1–43
इकाई 2. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 44–106 तक
इकाई 3. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 107–156
इकाई 4. वैयाकरणभूषणसार (धात्वर्थ निरूपण, लकारार्थ)
इकाई 5. वैयाकरणभूषणसार (स्फोटनिर्णय)

खण्ड ब के अन्तर्गत

विशेषः वाक्यपदीय; ब्रह्मकाण्ड 107 से 156 तक की कारिकाओं की व्याख्या संस्कृत में पूछी जाएगी।

पाठ्यग्रन्थ

1. वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि)
2. वैयाकरण भूषणसार (कौण्डभट्ट)

सहायक पुस्तकें

1. वाक्यपदीयम् – शिवशंकर अवस्थी
2. वाक्यपदीयम् – वामदेव आचार्य
3. वाक्यपदीयम् – पं. रघुनाथ शर्मा
4. भर्तृहरि का वाक्यपदीयम् – अनु. के.ए. सुब्रह्मण्य अय्यर
5. वैयाकरणभूषणसार – भैमीव्याख्या भीमसेन शास्त्री
6. वैयाकरणभूषणसार – ब्रह्मदत्त द्विवेदी
7. वैयाकरणभूषणसार – गोपाल शास्त्री नेने
8. वैयाकरणभूषणसार – पं. श्याम चरण त्रिपाठी
9. हंसराज अग्रवाल – प्रबन्धप्रदीप
10. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी
11. चारूदेव शास्त्री – शब्दापशब्द विवेक
    (पठित व्याकरण पर आधारित व्युत्पति के लिये सहायक ग्रन्थ)
12. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी – संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक, मन्दिर आगरा
13. डॉ. श्रीनिवास शास्त्री – एस.ए. संस्कृत व्याकरण, साहित्य भण्डार मेरठ
14. माधवाचार्य – माधवीय धातुवृत्ति
15. डॉ. नारायण शास्त्री कांकर, व्याकरण साहित्य प्रकाश,अजमेरा बुक कम्पनी
16. संस्कृत निबन्ध नवीनतम, डॉ. द्विवेदी एवं चतुर्वेदी, श्री राम मेहरा, आगरा
17. श्री मोहन वल्लभ पन्त, कारकदीपिका, रामनारायण लाल बेनीामाघ प्रयोग

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

इकाई 1 लघु सिद्धान्त कौमुदी – पूर्व कृदन्त प्रकरणम्, उत्तरकृदन्त प्रकरण
इकाई 2 लघु सिद्धांत कौमुदी – समास
इकाई 3 लघु सिद्धांत कौमुदी – तद्धित (चातुरार्थिक प्रत्यय पर्यन्त), स्त्री प्रत्यय
इकाई 4 अनुवाद, हिन्दी से संस्कृत व संस्कृत से हिन्दी
इकाई 5 निबन्ध

अंक विभाजन –

1. विस्तृत विवरण निबन्ध – 20 अंक–वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, धर्म शास्त्र तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य विषयों पर प्रत्येक में से दो विषयों का चयन करते हुए कुल दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा।
2. अनुवाद – 20 अंक
   1 दो हिन्दी अवतरणों में से एक का संस्कृत अनुवाद अनुवाद – अंक 10
   2 अपठित संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद – अंक 10
3. व्याकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी – अंक 60
   1 पूर्व कृदन्त व उत्तरकृदन्त प्रकरण – अंक 10+10 = 20
   2 समास प्रकरण – अंक 20
   3 तद्धित प्रकरण व स्त्री प्रत्यय – अंक 10+10 = 20
   4 अनुवाद हिन्दी से संस्कृत– अंक 10+10 = 20
   संस्कृत से हिन्दी –
   6 निबन्ध– अंक 20

सहायक ग्रन्थ

1.	प्रबन्ध प्रकाश	–	डॉ मंगलदेव शास्त्री
2.	प्रबन्ध मंजरी	–	हृषीकेश भट्टाचार्य
3.	प्रबन्ध रत्नाकर	–	डॉ. रमेश चन्द्र शुक्ल
4.	संस्कृत निबन्ध पथ प्रदर्शक	–	वी.एस. आप्टे
5.	संस्कृत निबन्धशतकम्	–	डॉ कपिल देव द्विवेदी
6.	प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी	–	डॉ कपिल देव द्विवेदी
7.	संस्कृत व्याकरण	–	डॉ श्री निवास शास्त्री
8.	संस्कृत व्याकरण	–	डॉ बाबूराम त्रिपाठी
9.	लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या	–	पं. भीमसेन शास्त्री ;3–6द्ध भाग
10.	लघु सिद्धान्त कौमुदी	–	पं. धरानन्द शास्त्री
11.	वृहदनुवाद चन्द्रिका	–	चक्रधर नौटियाल हंस
12.	अनुवाद कला	–	चारूदेव शास्त्री
13.	लघुसिद्धांत कौमुदी	–	महेष सिंह कुषवाह
14.	संस्कृत व्याकरण	–	डा. अर्कनाथ चौधरी
15.	लघुसिद्धांत कौमुदी	–	डा. जगदीष प्रसाद कौण्डिन्य

निम्नलिखित शोधपत्रिकायें पठनार्थ अनुमोदित है –

संस्कृत मंजरी – दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
सागरिका – संस्कृत विभाग, सागर वि.वि.सागर
दृक् – इलाहाबाद
स्वरमंगला – राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
संभाषण संदेश –
भारती – भारती कार्यालय, न्यू कालोनी, जाजू अस्पताल के सामने जयपुर।
शोध प्रभा – लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।

(सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)
पंचम प्रश्न पत्र
शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

पाठ्यक्रम

इकाई 1 महाभाष्य – (पस्पशाह्निक)

इकाई 2 कोटिल्य का अर्थशास्त्र– (प्रथम अधिकरण)

इकाई 3 काव्यमीमांसा (राजशेखर)– प्रथम से पंचम अध्याय

इकाई 4 षिषुपालवधम्– द्वितीय सर्ग

इकाई 5 अभिलेखमाला से अभिलेख– (रूद्रदामन् का गिरनार अभिलेख, कुमारगुप्त का मन्दसौर (दिशपुर) शिलालेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति, स्कंदगुप्त का जूनागढ़ प्रस्तराभिलेख)

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अंतर्गत कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं काव्य मीमांसा से सम्बन्धित व्याख्या। संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड 'स' प्रश्न सं. 12

अंक विभाजन– प्रथम चतुर्थ एवं पंचम इकाई से गद्यांश अथवा पद्य की (2 में से एक) व्याख्या अथवा अनुवाद (क्रमशः 7+7+6 अंक) शेष प्रश्नों के इकाईयों से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न।

सहायक ग्रन्थ

1. व्याकरण महाभाष्य (प्रथम आह्निकत्रय) – अनु. चारूदेवशास्त्री
2. व्याकरण महाभाष्य (पस्पशाह्निकम्) – व्या. डॉ. जयशंकर लाल त्रिपाठी,
3. पातञजल महाभाष्य एक दार्शनिक अध्ययन – डा. नरेन्द्र देव आचार्य,
4. काव्यमीमांसा राजेशखर – व्या. डॉ श्री कृष्णमणि त्रिपाठी
5. काक मीमांसा – डा. रमा कान्त पाण्डेय
6. काव्य मीमांसा (हिन्दी व्याख्या) – साधना पाराशर दिल्ली
7. काव्यमीमांसारहस्यम् – पं. विजयमित्र शास्त्री (1–5 अध्याय)
8. अलंकार शास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे
9. भारतीय साहित्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय
10. अभिनव संस्कृत साहित्य का इतिहास –डा. राधा बल्लभ त्रिपाठी
11. भारतीय साहित्य शास्त्र – जी.टी. देशपाण्डे
12. कौटिल्य अर्थशास्त्र – उदयवीर शास्त्री
13. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गौरोला
14. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ रघुनाथ सिंह
15. अभिलेख माला – व्यास्याकार झा बन्धु,
16. भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ वासुदेव उपाध्याय
17. भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ पी.के. मजूमदार
18. षिषुपालवधम – माघ

अथवा
आधुनिक संस्कृत साहित्य

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रष्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक– 40 **पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 मधुच्छन्दा– प्रो. हरिराम आचार्य कृत
इकाई 2 पद्मिनी–प. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयकृत
इकाई 3 भीष्मचरितम्– (1 – 2 सर्ग) प्रो. हरिनारायण दीक्षित व भृत्यामरणम् (1–2 सर्ग) पं. श्रीराम दवे
इकाई 4 आयतिः – काव्य संग्रह– राधा वल्लभ त्रिपाठी
इकाई 5 बीसवीं शताब्दी का संस्कृत साहित्य का सामान्य अध्ययन
(राजस्थान के विशेष संदर्भ में) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. नवल किशोर कांकर,
पं. गिरधर शर्मा नवरत्न, पं. पद्म शास्त्री, पं. श्रीराम दवे, गिरधारी लाल षर्मा, कवि किंकर, पं. गणेषराम शर्मा

विशेष निर्देष

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत मधुच्छन्दा की व्याख्याएं संस्कृत भाषा के माध्यम से एवं इकाई 3 भीष्म चरितम् की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी तथा इकाई 5 से टिप्पणी पूछी जायेगी।
खण्ड 'स' प्रश्न सं. 12 में अंक विभाजन निम्न प्रकार से होगा।
इकाई 1, 2 और 4 में से दो–दो में से एक एक व्याख्या प्रसंग पूर्वक क्रमशः 5, 10 और 5 अंकों की होगी।

सहायक पुस्तके

1. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् – खण्ड 1–5 सम्पादक – डॉ. गंगाधर भट्ट, राज. संस्कृत अकादमी जयपुर
2. जयपुर की संस्कृत परम्परा – देवर्षि कलानाथ शास्त्री
3. राजस्थानस्याधुनिक संस्कृत कथालेखकाः सं. पुष्कर दत्त शर्मा, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
4. नवोन्मेष – प्रो. रामचन्द्र द्विवेदी राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
5. राजस्थान के संस्कृत कृतिकार–पं. शंकरलाल शास्त्री
6. आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा– डॉ. केशव मूलगांवकर
7. पद्मिनी – पं. मोहनलाल शर्मा, पाण्डेय पाण्डेय प्रकाशन, जयपुर
8. मधुच्छंदा – प्रो. हरिराम आचार्य, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
9. भीष्मचरितम् – हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
10. आयति – काव्य संग्रह– राधा वल्लभ त्रिपाठी
11. विद्व×जनचरितामृतम् – कलानाथ शास्त्री
12. अभिनव संस्कृत साहित्य का इतिहास– देवर्षि कला नाथ शास्त्री
13. भृत्यामरणम्– श्री राम दवे

अथवा
लघु शोध प्रबन्ध

अर्हता – पूर्वाद्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित छात्र।
स्वरूप – 100 प्रष्ठों से अधिक हेागा तथा विभाग के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जाएगा।
विषयवस्तु – लघु शोध प्रबन्ध किसी प्रकाशित/अप्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद, कार्य, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक व तुलनात्मक समीक्षात्मक कार्य किया जा सकेगा।
नोट – लघु शोध प्रबन्ध को तीन प्रतियॉ में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व सम्बद्ध विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।